1. दिल्ली हवाईअड्डा 2021 में दुनिया के शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डों में हुआ शामिल

- हाल ही में प्रकाशित स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवार्ड रैंकिंग 2021 में दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (Indira Gandhi International Airport) दुनिया के शीर्ष -50 सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डों में उभरा है। दिल्ली हवाई अड्डा लगातार तीसरे वर्ष भारत में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डे के रूप में उभरा।
- मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु को भी दुनिया के 100 सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डों में रैंक मिली है। स्काईट्रैक्स 2021 विश्व हवाईअड्डे की पुरस्कार सूची के अनुसार दिल्ली को 45वें स्थान पर रखा गया है। 2020 में 50वें नंबर की तुलना में इसकी रैंकिंग में पांच स्थानों का सुधार हुआ है।
- दिल्ली हवाई अड्डा इस मुकाम को हासिल करने वाला पहला भारतीय हवाई अड्डा है। हैदराबाद को 64वें स्थान पर रखा गया है 2020 में 71वें स्थान के मुकाबले इसकी रैंकिंग में सात स्थानों का सुधार हुआ है। मुंबई 65वें नंबर पर है, जो 2020 में 52वें स्थान पर था। बेंगलुरु 71वें नंबर पर है, जो 2020 में 68वें रैंक पर था।

विश्व स्तर पर हवाई अड्डों की रैंकिंग

- दुनिया के शीर्ष -5 हवाई अड्डों में शामिल हैं:

1. दोहा हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा
2. टोक्यो हानेडा हवाई अड्डा
3. चांगी हवाई अड्डा, सिंगापुर
4. सियोल इंचियोन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

- यूनाइटेड किंगडम स्थित स्काईट्रैक्स ग्राहकों की समीक्षाओं के आधार पर सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डों का पुरस्कार प्रदान करता है। रैंकिंग को विश्व हवाईअड्डा उद्योग के लिए गुणवत्ता बेंचमार्क माना जाता है। यह 550 हवाई अड्डों पर ग्राहक सेवा और सुविधाओं का आकलन करता है।

स्काईट्रैक्स (Skytrax)

- स्काईट्रैक्स एक यूनाइटेड किंगडम-बेस्ड कंसल्टेंसी है, जो एक एयरलाइन और हवाईअड्डा समीक्षा और रैंकिंग साइट चला रही है।

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

- नई दिल्ली का यह अंतर्राष्ट्रीय विमानन केंद्र 5,106 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। यह पालम में स्थित है और इसका नाम भारत की पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया है।

यह 2009 के बाद से यात्री यातायात के मामले में भारत का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है।

- यह लगभग 70 मिलियन यात्रियों को संभालता है। यह भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित किया गया था और बाद में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को स्थानांतरित कर दिया गया था। 2006 में, IGI का प्रबंधन GMR समूह के नेतृत्व में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (DIAL) को स्थानांतरित कर दिया गया था।

2. कोलकाता में किया जाएगा डूरंड कप के 130वें संस्करण का आयोजन

- 05 सितंबर से 21 अक्टूबर, 2021 तक कोलकाता में दुनिया का तीसरा सबसे पुराना और एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट जिसे डूरंड कप (Durand Cup) कहा जाता है, आयोजित किया जाएगा।
- कोविड-19 महामारी के कारण एक साल बाद डूरंड कप का आयोजन किया जाएगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF), आईएफए (पश्चिम बंगाल) और पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से किया जाएगा। इस वर्ष डूरंड कप का 130वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा।

❑ डूरंड कप

- डूरंड कप एक प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट है। यह पहली बार 1888 में हिमाचल प्रदेश के डगशाई (Dagshai) में आयोजित किया गया था। इस टूर्नामेंट का नाम मोर्टिमर डूरंड (Mortimer Durand) के नाम पर रखा गया है। वह भारत के प्रभारी तत्कालीन विदेश सचिव थे।
- यह टूर्नामेंट ब्रिटिश सैनिकों के बीच स्वास्थ्य और फिटनेस बनाए रखने का एक तरीका था। हालांकि बाद में इसे आम नागरिकों के लिए खोल दिया गया। वर्तमान में, यह विश्व स्तर पर अग्रणी खेल आयोजनों में से एक है। डूरंड कप की सबसे सफल टीमें मोहन बागान और ईस्ट बंगाल हैं। दोनों टीमों ने सोलह-सोलह बार जीत हासिल की है।

❑ ट्रॉफी

- विजेता टीम को तीन ट्राफियां प्रदान की जाती हैं:-

1. प्रेसिडेंट्स कप जो पहली बार डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
2. डूरंड कप – यह वास्तविक पुरस्कार और एक रोलिंग ट्रॉफी है।
3. शिमला ट्रॉफी जो पहली बार 1903 में शिमला के नागरिकों द्वारा प्रस्तुत की गई थी। 1965 से, यह एक रोलिंग ट्रॉफी बन गई है।

3. सैटेलाइट फोन से लैस होने वाला देश का पहला राष्ट्रीय उद्यान बना काजीरंगा पार्क

- काज़ीरंगा सैटेलाइट फोन का उपयोग करने वाला देश का पहला राष्ट्रीय उद्यान बन गया है, जो आमतौर पर कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा उपयोग किया जाता है।
- सैटेलाइट फोन वनकर्मियों द्वारा शिकारियों पर नियंत्रण करने और बाढ़ जैसी आपात स्थिति के दौरान सहायक होंगे। जनता को भारत में सैटेलाइट फोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
- सैटेलाइट फोन किसी भी स्थान से जुड़ सकते हैं क्योंकि ये विश्व के उपग्रहों से सीधे जुड़े होते हैं तथा सेलफोन की तरह स्थलीय मोबाइल नेटवर्क पर निर्भर नहीं होते हैं।

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

- यह असम राज्य में स्थित है और 42,996 हेक्टेयर (हेक्टेयर) क्षेत्र में फैला है। यह ब्रह्मपुत्र घाटी बाढ़ के मैदान में सबसे बड़ा अविभाजित और प्रतिनिधि क्षेत्र है। इस उद्यान को वर्ष 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। इसे वर्ष 2007 में टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है। इसका कुल बाघ आरक्षित क्षेत्र 1,030 वर्ग किमी. है, जिसमें मुख्य क्षेत्र 430 वर्ग किमी. है।
- इसे वर्ष 1985 में यूनेस्को की विश्व धरोहर घोषित किया गया था। इसे बर्डलाइफ इंटरनेशनल द्वारा एक महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई है। विश्व में सर्वाधिक एक सींग वाले गैंडे काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में ही पाए जाते हैं।
- गैंडो की संख्या में असम के काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बाद पोबितोरा (Pobitora) वन्यजीव अभयारण्य का दूसरा स्थान है, जबकि पोबितोरा अभयारण्य विश्व में गैंडों की उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला अभयारण्य है।

असम में अब 07 राष्ट्रीय उद्यान हैं-

1. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
2. मानस राष्ट्रीय उद्यान
3. नामेरी राष्ट्रीय उद्यान
4. ओरंग राष्ट्रीय उद्यान
5. डिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान
6. रायमोना राष्ट्रीय उद्यान
7. देहिंग पटकाई राष्ट्रीय उद्यान

SarkariExam.com

4. कमलेश कुमार पंत बने NPPA के नए अध्यक्ष

- 11 अगस्त, 2021 को हिमाचल प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईएएस अधिकारी कमलेश कुमार पंत को केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति द्वारा राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (National Pharmaceutical Pricing Authority - NPPA) के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।
- फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण एजेंसी की अध्यक्षता वर्तमान में आईएएस अधिकारी शुभ्रा सिंह कर रही थी, जिन्हें 2018 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, शुभ्रा सिंह को उनके कैडर राज्य राजस्थान में वापस कर दिया गया है।
- कमलेश कुमार पंत, पूर्व में हिमाचल प्रदेश सरकार में प्रधान सचिव(राजस्व) और हिमाचल प्रदेश में वित्तीय आयुक्त (अपील) और हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रमुख, ने तत्काल प्रभाव से एनपीपीए (NPPA) का कार्यभार संभाल लिया है।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA)

- यह एक स्वायत्त निकाय है तथा देश के लिये स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक दवाओं (National List of Essential Medicines-NLEM) एवं उत्पादों की कीमतों को नियंत्रित करता है। इसकी स्थापना 29 अगस्त, 1997 को हुई थी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

NPPA के कार्य

- विनियंत्रित थोक औषधियों व फॉर्मूलों का मूल्य निर्धारित व संशोधित करना। निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप औषधियों के समावेशन व बहिर्वेशन के माध्यम से समय-समय पर मूल्य नियंत्रण सूची को अद्यतन करना। दवा कंपनियों के उत्पादन, आयात-निर्यात और बाज़ार हिस्सेदारी से जुड़े डेटा का रखरखाव।
- दवाओं के मूल्य निर्धारण से संबंधित मुद्दों पर संसद को सूचनाएँ प्रेषित करने के साथ-साथ दवाओं की उपलब्धता का अनुपालन व निगरानी करना।

SarkariExam.com

5. स्वदेशी इंजन के साथ निर्भय मिसाइल का किया गया सफल परीक्षण

- 11 अगस्त, 2021 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेशी इंजन के साथ ओडिशा तट से दूर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से मध्यम दूरी की सबसोनिक निर्भय क्रूज मिसाइल (Nirbhay Cruise Missile) का सफल परीक्षण किया है।
- इस मिसाइल में स्वदेशी इंजन लगाने से इसकी ताकत और बढ़ गई है। पिछले साल अक्टूबर के महीने में निर्भय मिसाइल का परीक्षण 8 मिनट की उड़ान के बाद तकनीकी कारण से रद्द कर दिया गया था, लेकिन इस बार इसने सफलता हासिल की। निर्भय भारत की पहली स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज मिसाइल (Indigenous Technology Cruise Missile - ITCM) है।
- निर्भय ने इस परीक्षण के दौरान 0.7 मैक से 0.9 मैक (864 KM से 1111 KM प्रतिघंटा) की गति हासिल की। इस मिसाइल में सी-स्किमिंग (Sea Skimming) और टेरेन हगिंग कैपेबिलिटी (Terrain Hugging Capability) है। यानी यह मिसाइल समुद्री पानी और जमीन से थोड़ा ऊपर उड़कर राडार को चकमा दे सकता है।

निर्भय मिसाइल

- इसकी रेंज 1000 किलोमीटर है। निर्भय क्रूज मिसाइल दो स्टेज की मिसाइल है। पहले स्टेज में ठोस और दूसरे स्टेज में तरल ईंधन का उपयोग किया जाता है। यह मिसाइल 300 किलोग्राम तक के परंपरागत हथियार को ले जा सकती है। इसकी अधिकतम रेंज 1500 किलोमीटर है।
- यह मिसाइल जमीन से कम से कम 50 मीटर ऊपर और अधिकतम 4 किलोमीटर ऊपर उड़कर टारगेट को ध्वस्त कर सकती है। ITCM निर्भय का मेड-इन-इंडिया मानिक टर्बोफैन इंजन (Manik turbofan engine) के साथ सफलतापूर्वक परीक्षण-लॉन्च किया गया था।
- यह स्वदेशी बूस्टर इंजन (booster engine) के साथ मिसाइल का पहला सफल परीक्षण था। यह 200 से 300 किलोग्राम के पारंपरिक (conventional) और परमाणु (nuclear) दोनों हथियारों का उपयोग कर सकता है।
- मिसाइल को कई प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है। ITCM निर्भय 0.7 से 0.9 Mach की गति से या ध्वनि की गति से 4 से 7 गुना तेज गति से यात्रा कर सकता है।

6. 12 अगस्त को मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस

- विश्वभर में 12 अगस्त का दिन अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य युवाओं के मुद्दों पर समाज और सरकारों का ध्यान आकर्षित करना है।
- अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2021 की थीम, "ट्रांसफॉर्मिंग फूड सिस्टम्स: यूथ इनोवेशन फॉर ह्यूमन एंड प्लैनेटरी हेल्थ (Transforming Food Systems: Youth Innovation for Human and Planetary Health)" है।
- यह विषय उन तरीकों पर प्रकाश डालता है जिनसे स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर युवा लोगों की भागीदारी राष्ट्रीय और बहुपक्षीय संस्थानों और प्रक्रियाओं को समृद्ध कर रही है, साथ ही इस बात पर भी प्रकाश डालती है कि औपचारिक संस्थागत राजनीति में उनके प्रतिनिधित्व और जुड़ाव को कैसे बढ़ाया जा सकता है।
- विदित हो कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 17 दिसम्बर, 1999 को युवा विश्व सम्मलेन के दौरान की गई सिफारिशों को मानते हुए पहली बार वर्ष 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया था।
- वर्ष 2015 में सुरक्षा परिषद द्वारा पारित संकल्प को अपनाने के बाद से इस मान्यता को बल मिला कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में युवा संघर्षों को रोकने और शांति बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1985 को अंतर्राष्ट्रीय युवा वर्ष घोषित किया गया था। भारत में प्रतिवर्ष 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। विश्व में भारत को युवाओं का देश कहा जाता है, यहाँ 35 वर्ष की आयु तक के 65 करोड़ युवा हैं।

7. इंदौर भारत का पहला वाटर प्लस शहर बना

- 11 अगस्त, 2021 को भारत में सबसे क्लीन सिटी का दर्जा हासिल करने के बाद मध्य प्रदेश का शहर इंदौर अब देश का पहला वाटर प्लस सिटी (water plus' city) बन गया है। केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्रालय ने यह घोषणा की है।

- बता दें कि चार बार देश में सबसे अधिक क्लीन सिटी का दर्जा पाने वाला इंदौर शहर अब पांचवीं बार भी इस स्थान पर कब्जा बनाए रह सकता है। बता दें कि वाटर प्लस सिटी के मुकाबले में गुजरात के दो शहर सूरत और अहमदाबाद और महाराष्ट्र से नवी मुंबई भी इस रेस में शामिल थे।
- वाटर प्लस प्रोटोकॉल के दिशा निर्देशों के अनुसार शहर में 147 विशेष प्रकार के यूरिनल और 7 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए हैं। वाटर प्लस सिटी की चयन प्रक्रिया में देश के 84 शहरों ने आवेदन किया था। स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत शहरों को रैंकिंग प्रदान करने के लिए ओडीएफ फ्लस, ओडीएफ डबल प्लस और वाटर प्लस सहित स्वच्छता के विभिन्न मानकों का उपयोग किया गया जाता है।
- वाटर प्लस सर्टिफिकेट केवल उन्हीं शहरों को दिया जाता है जो ओडीएफ डबल प्लस के सभी मांगों को पूरा करते हैं। वाटर प्लस शहर उपचार के बाद ही सीवेज को पर्यावरण में छोड़ते हैं।

8. अरुणाचल के राज्यपाल को मिला मिजोरम का अतिरिक्त प्रभार

- 10 अगस्त, 2021 को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी. डी. मिश्रा को मिजोरम का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में इसकी जानकारी दी गयी है।
- मिजोरम के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति के छुट्टी पर रहने के दौरान मिश्रा अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के साथ-साथ मिजोरम के राज्यपाल की जिम्मेदारियां भी देखेंगे।
- इसके अलावा सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद को मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मणिपुर की राज्यपाल डॉ. नजपा हेपतुल्ला के छुट्टी पर रहने के दौरान सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद को मणिपुर के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ये नियुक्तियां उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होंगी।

SarkariExam.com

9. इसरो का GISAT-1 मिशन रहा असफल

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल-F10 EOS-03 मिशन अथवा GISAT-1 मिशन अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल हो गया है।
- पृथ्वी अवलोकन उपग्रह-03 (Earth Observation Satellite-03) को 12 अगस्त, 2021 को सुबह लॉन्च किया किया। इस लॉन्च के पहले दो चरणों ने ठीक से काम किया, लेंकिन क्रायोजेनिक अप्पर स्टेज में तकनीकी खामी के कारण राकेट इस उपग्रह को उचित कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा।

- **पृथ्वी अवलोकन उपग्रह-03 (Earth Observation Satellite-03) अथवा GISAT-1**

- 'EOS-03' एक अत्याधुनिक सैटेलाइट है, जिसे GSLV-F10 द्वारा जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था, जिसके बाद यह सैटेलाइट अपनी ऑनबोर्ड प्रणोदन प्रणाली का उपयोग कर अंतिम भूस्थिर कक्षा में पहुँच जाता।
- यह सैटेलाइट रोज़ाना चार से पाँच बार पूरे देश की इमेजिंग करने में सक्षम था। साथ ही 'EOS-03' बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं की वास्तविक समय में निगरानी करने में सक्षम था। प्राकृतिक आपदाओं के अलावा 'EOS-03' जल निकायों, फसलों, वनस्पति की स्थिति, वन आवरण परिवर्तन की निगरानी में भी सक्षम था। यह 'जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' की 14वीं उड़ान थी।
- अब तक 8 पूरी तरह सफल रहे हैं जबकि 4 असफल और 2 आंशिक रूप से सफल रहें हैं। यहीं कारण है कि जीएसएलवी मार्क 1 का सफलता दर 29% जबकि जीएसएलवी मार्क 2 का 86% है।

- **GSLV**

- 'जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' (GSLV) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा डिज़ाइन, विकसित और संचालित एक अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान है, जो सैटेलाइट और अन्य अंतरिक्ष वस्तुओं को अंतिम भूस्थिर कक्षा में लॉन्च करता है। GSLV, ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) की तुलना में भारी पेलोड ले जाने में सक्षम है।

SarkariExam.com

- GSLV भारत द्वारा विकसित सबसे बड़ा सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल है। यह चौथी पीढ़ी का लॉन्च व्हीकल है। इसमें तीन स्टेज और चार बूस्टर हैं। ऊपरी स्टेज में स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन लगा होता है। GSLV का इस्तेमाल मुख्य रूप से सैटेलाइट्स को 36 हजार किमी ऊपर स्थित जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में भेजने में होता है।

10. प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद् ने बुजुर्गों के लिए जीवन का गुणवत्ता सूचकांक किया जारी

- हाल ही में प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) ने बुजुर्गों के लिए जीवन का गुणवत्ता सूचकांक जारी किया। देश में कुल आबादी के प्रतिशत के रूप में बुजुर्गों की हिस्सेदारी वर्ष 2001 में लगभग 7.5 प्रतिशत थी, जो बढ़कर वर्ष 2026 तक लगभग 12.5 प्रतिशत हो जाएगी तथा वर्ष 2050 तक 19.5 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है।
- EAC-PM के अनुरोध पर इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस द्वारा यह सूचकांक तैयार किया गया है, जो ऐसे मुद्दों पर प्रकाश डालता है जिनका अक्सर बुजुर्गों के सामने आने वाली समस्याओं में उल्लेख नहीं किया जाता है।
- भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग, भारत में केंद्रित एक अंतर्राष्ट्रीय पहल है, जो प्रतिस्पर्द्धा और रणनीति पर अनुसंधान व ज्ञान के निकाय के विस्तार एवं उद्देश्यपूर्ण प्रसार के लिए समर्पित है।
- यह रिपोर्ट भारतीय राज्यों में आयु बढ़ने के क्षेत्रीय पैटर्न की पहचान करने के साथ-साथ देश में आयु बढ़ने की समग्र स्थिति का भी आकलन करती है।

❑ **सूचकांक के चार स्तंभ**

1. वित्तीय कल्याण
2. सामाजिक कल्याण
3. स्वास्थ्य प्रणाली
4. आय सुरक्षा

❑ **राज्यवार रैंकिंग**

1. राजस्थान और हिमाचल प्रदेश क्रमशः वृद्ध और अपेक्षाकृत वृद्ध राज्यों में शीर्ष स्कोरर हैं। वृद्ध राज्य 5 मिलियन से अधिक की वृद्ध आबादी वाले राज्यों को संदर्भित करता है, जबकि अपेक्षाकृत वृद्ध राज्य 5 मिलियन से कम की वृद्ध आबादी वाले राज्यों को संदर्भित करता है।
2. चंडीगढ़ और मिज़ोरम केंद्रशासित प्रदेश और उत्तर-पूर्वी राज्यों की श्रेणी में शीर्ष स्कोरर हैं।

❑ **स्तंभवार प्रदर्शन**